











## विकसित भारत की बात

फि स्कल प्रूडेंस के रास्ते पर चलते हुए, सरकार की ओर से बार-बार कहा गया कि वह वित्त वर्ष 2026 तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 फीसदी तक कम करना चाहती है। अंतरिम बजट के दौरान, फाइनेंस मिनिस्टर सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को लेकर बड़ी जानकारी दी। सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 फीसदी के पिछले लक्ष्य से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.8 प्रतिशत कर दिया है। वहीं वित्त वर्ष 2025 के लिए ये लक्ष्य जौडीपी का 5.1 फीसदी निर्धारित किया गया है। फाइनेंशियल ईयर 2025 के लिए शुद्ध उधारी 11.75 लाख करोड़ रुपये देखने को मिली है जबकि केन्द्र की सकल उधारी 14.13 लाख करोड़ रुपये देखी गई है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के लिए रक्षा क्षेत्र में आर्वटन को 4 फीसदी बढ़ाकर 6.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। ये वित्त वर्ष 2024 के बजटीय अनुमान 5.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि टैक्स ढांचे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, चाहे वह प्रत्यक्ष कर हो या अप्रत्यक्ष। हालांकि, सॉवरने वेलथ फंड और पेंशन फंड में किए गए निवेश को एक और साल के लिए टैक्स फ्री कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2025 में कुल राजस्व प्राप्त अब 30 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया जा रहा है, जो वित्त वर्ष 2024 में 26.99 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 के लिए पूंजीगत व्यय परियोजना का बजट 11 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये या जीडीपी का 3.4 फीसदी कर दिया गया है। पिछले चार साल में पूंजीगत व्यय तीन गुना होने से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर कई गुना प्रभाव पड़ा है। यह बजट देश के हर वर्ग को प्रभावित करता है।

## दो करोड़ आवास

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 का अंतरिम बजट पेश किया। इससे किराए के मकानों या झुग्गी-झोपड़ी, चॉल और अनाधिकृत कालोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के लोगों को अपना मकान खरीदने या बनाने में मदद मिलेगी। मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए रूफटॉप सोलर एनर्जी को लेकर भी बड़ी घोषणा की। सर्वोदय इससे मध्यम वर्ग को हर साल बिजली में खर्च होने वाली बड़ी राशि बचाने में मदद मिलेगी। सरकार ने साथ ही पीएम-आवास के लिए भी आर्वटन बढ़ा दिया है। सरकार और दो करोड़ आवास बनायेगी। सरकार किराए के घरों, झुग्गियों, चॉलों और अनाधिकृत कालोनियों में रहने वाले मध्यम वर्ग के योग्य वर्गों को अपना घर खरीदने या बनाने में मदद करने के लिए एक योजना शुरू करेगी। कोविड के कारण चुनौतियों के बावजूद, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) का कार्यान्वयन जारी रहा और हम तीन करोड़ घरों के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब हैं। इससे उत्पन्न होने वाली आवश्यकता को पूरा करने के लिए अगले पांच वर्षों में दो करोड़ और घर बनाए जाएंगे। अंतरिम बजट में आवास को बढ़ावा देना बाजार के नजरिए से एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव है, क्योंकि इससे सीमेंट, स्टील और सभी निर्माण संबंधित क्षेत्रों को फायदा होगा। जैसा कि अनुमान था, अंतरिम बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई, लेकिन इसने देश भर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन और कनेक्टिविटी के निर्माण पर अपना ध्यान जारी रखा। इससे न केवल शीघ्र शहरों में बल्कि देश भर के टियर 2 और 3 शहरों में रियल एस्टेट वृद्धि को लाभ होगा। आसान पुनर्विकास के लिए झुग्गियों जैसे अतिक्रमण क्षेत्रों को मुक्त करने की संभावना है। आवास का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है।

## सेवा से ज्ञान

**धर्म प्रताह**

स्वभाव के अनुसार नामाकरण चिड़िया का, पशु का कर दिया जाता है। कभी भी ये समझना चाहिए कि वे मनुष्य थे जामवंतजी मनुष्य थे। जामवंतजी भालू नहीं थे। अगर वे भालू होते तो उनकी लड़की की शादी द्वापरकाल में कृष्णजी से नहीं हुई होती। क्या उनकी शादी भल्लूनी से हुई थी। जामवंत के पुत्र साम्ब थे और उसकी शादी दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण से हुई थी ये सब मनुष्य थे। जो सेवा हमें मिल गयी उसकी सेवा में हमें ज्ञान मिल जाता है, अन्यत्र नहीं मिलता है। प्रकृति का मतलब यह होता है कि इसके हर कण में भगवान हैं। यह बोला जाता है तो लोग नहीं बूझते हैं कि यही प्रत्येक कण भगवान है। हर कण भगवान नहीं हैं। बल्कि इसका मतलब है कि एक कण की जहां हमें सेवा मिले वहीं से ज्ञान होगा। (ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

**कॉटन वर्ल्ड**

नये युग का बरतव ...

STONE AGE, IRON AGE, PLASTIC AGE

सामार कॉटन मूवमेंट

**राजनीतिक पराभव**

अपनी निष्ठा बेचने वाले दर-दर खड़े मिलेंगे। अब सब बाजारवाद का हिस्सा बन चुका है। इसके लिए कानून क्यों नहीं बना? क्योंकि, यह हर दल को बसू करता है! चुनाव के समय यह खेल चरम पर होता है पूरी मूर्दंग की थाप के साथ। अगर इस पर कानून बन गया तो पूरी राजनीति ही वैठ जायेगी। मरदाटा इस उगरी में क्यूं आ जाता है। सार्थक पड़ताल के लिए साधुवाद! - **मीरा गौतम, रांची**

**जनता की नियति**

चुनाव चाहे लोकसभा के हो या फिर विधानसभा के, राजनीतिक दल जनता को छलने के लिए लोकलुभावन घोषणा पत्र जारी करता है। फिर चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्र में किए गए वादों पर बहुत ही कम खरे उतरते हैं। जनता हर बार नेताओं के शब्दजाल और आंकड़ों की बाजीगरी के जाल में फंस जाती है। अब चुनावों में उगा जाना जनता की नियति बन गई है। - **रामभूत सिंह, हजारीबाग**

बौते कुछ वर्षों में देश की सामरिक और विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। पड़ोसी देशों के दुस्साहस का सीमा पर हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है तो दूसरी ओर अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर सार्थक कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। दुनियाभर में भारत की साख और प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। इसके बावजूद हमारे देश का बड़ा भू-भाग और उसमें रह रहे नागरिक पाकिस्तान और चीन के कब्जे में हैं। इन क्षेत्रों में रह रहे हमारे नागरिक नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। पाकिस्तान की सेना यहां के बाशिंदों के मानवाधिकारों को आंद दिन रौंदती रहती है। हालांकि तीन दशक पहले देश की संसद ने इन क्षेत्रों को दोबारा हासिल करने का संकल्प पारित किया था। लेकिन संसद द्वारा पारित इस संकल्प की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। देश के इतिहास में 22 फरवरी, 1994 का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिन हमारी संसद ने ध्वनिमत से एक प्रस्ताव पारित करके संकल्प व्यक्त किया था कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू और कश्मीर भारत का अटूट अंग है। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। संसद में पारित इस संकल्प में पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में चल रहे आतंकी शिविरों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। और कहा गया कि भारत में अशांति, वैमनस्य से विध्वंस पैदा करने के स्पष्ट उद्देश्य से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकीयों को प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें हथियार और धन मुहैया करवाया जा रहा है। इसके अलावा भारत में घुसपैठ करने के लिए भी आतंकीयों को मदद की जा रही है। प्रस्ताव में चार बिंदुओं में संकल्प व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह सदन भारत की जनता की ओर से घोषणा करता है कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। भारत अपने इस भाग के विलय का हरसंभव प्रयास करेगा। दूसरे बिंदु में कहा गया है कि भारत में इस बात की पर्याप्त क्षमता है कि वह उन अलगाववादी और आतंकवादी शक्तियों का मुंहतोड़ जवाब दे, जो देश की एकता, प्रभुसत्ता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ हैं। तीसरे बिंदु में मांग की गई है कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के उन क्षेत्रों को खाली करे, जिन्हें उसने कब्जाया और अतिक्रमण किया हुआ है।



- विकास सक्सेना

आजादी के बाद लगभग पांच सौ रियासतों का भारत में विलय हुआ लेकिन राजनैतिक नेतृत्व की दुलमुल नीति के चलते जम्मू और कश्मीर के एक बड़े हिस्से पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। दरअसल स्वतंत्र राज्य की चाहत में कश्मीर के महाराजा हरीसिंह लम्बे समय तक असमंजस की स्थिति में रहे। निर्णय लेने में देरी के चलते शेख अब्दुल्ला जो पहले भारत के साथ विलय के पक्षधर से उनका मन बदलने लगा और वह स्वतंत्र राज्य की मांग करने लगे।

चौथे बिन्दु में स्पष्ट तौर पर चेतावनी दी गई भारत के आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के हस्तक्षेप का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। कुछ लोगों का कहना है कि शिमला समझौते के चलते भारतीय संसद द्वारा पारित इस संकल्प के कोई मायने नहीं हैं। दरअसल 1972 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते में नियंत्रण रेखा (एलओसी) को दोनों देशों के बीच सीमा के रूप स्वीकार करने की ऐतिहासिक भूल हुई थी। लेकिन जानकारों का मानना है कि शिमला समझौते का कूटनीतिक समझौता से प्रयोग करके पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर को दोबारा भारत में शामिल किया जा सकता है। शिमला समझौते में दोनों देशों ने तय किया था कि वे इन विवादों को आपसी बातचीत से हल करेंगे। इन्हें अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर नहीं उठाया जाएगा। लेकिन पाकिस्तान लगातार इस शर्त का उल्लंघन करता रहता है यानी उसने खुद शिमला समझौता तोड़ दिया है। इसके अलावा यहां सबसे महत्वपूर्ण

तथ्य ये है कि हम जिसे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी (पीओके) और पाकिस्तान आजाद कश्मीर कहता है वह कश्मीर का हिस्सा है ही नहीं वह तो जम्मू का भाग है। वह न तो कश्मीर का अंश था और न ही इस रूप में उसका समझौता हो सकता था। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की भाषा भी कश्मीरी नहीं थी यहां के लोग जिस भाषा का प्रयोग करते हैं वह डोगरी और मीरपुरी का मिश्रण है।

आजादी के बाद लगभग पांच सौ रियासतों का भारत में विलय हुआ लेकिन राजनैतिक नेतृत्व की दुलमुल नीति के चलते जम्मू और कश्मीर के एक बड़े हिस्से पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। दरअसल स्वतंत्र राज्य की चाहत में कश्मीर के महाराजा हरीसिंह लम्बे समय तक असमंजस की स्थिति में रहे। निर्णय लेने में देरी के चलते शेख अब्दुल्ला जो पहले भारत के साथ विलय के पक्षधर से उनका मन बदलने लगा और वह स्वतंत्र राज्य की मांग करने लगे। इस बीच पाकिस्तान की तत्कालीन सरकार और सेना ने कबाइली लड़ाकों के साथ मिलकर कश्मीर पर हमला कर दिया। अत्याधुनिक हथियारों

**विवेक जागरण, दिव्यता के प्रसफुटन व भगवत्प्राप्ति आदि श्रेष्ठ पुरुषार्थों के मूल में सत्संग ही है। अतः जीवन सिद्धि के लिए सत्संग अबाध रहे।**

- अवधेशानंद गिरी, जूना आखड़ा

**सोशल मीडिया**

छात्रवृत्ति में दो से तीन गुना वृद्धि की गई। यहां के किसान, श्रमिक और गरीब के प्रतिभाशाली बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा का अवसर दिया गया। गांव के बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए उत्कृष्ट विद्यालय शुरू किया गया है।

- चंपई सोरेन

राजस्थान में आयोजित प्रबुद्ध सम्मलेन में प्रबुद्ध नागरिकों के साथ मोदी जी के कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों और भावी संकल्प के निर्माण को उनकी योजनाओं पर संवाद किया।

- अमित शाह

## राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

**ललित गर्ग**

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे हैं। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेलों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजौर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजौर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने

स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही हैं। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटे हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं। राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही दंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते हैं राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज



के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस छोड़े को और किस सैनिक को उंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़

पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के छोड़े उंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहल से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है। शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती है। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती है। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चालें चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को

इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हाण को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा को दो फाड़ कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर् उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वहीं पांच राजनीतिक दलों को ह्यभारत रत्न सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है। शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी छोड़ा दाईं घर आगे और दाईं घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी हैं।

## स्मृति शेष : बहुत याद आर्येंगे अमीन सयानी

**संजय तिवारी**

विश्व में हिंदी के लोकप्रिय रेडियो उद्घोषक अमीन सयानी अब नहीं रहे। अपनी आवाज में यादों का सागर छोड़ कर उन्होंने विदा ले ली है। उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसिद्धि और लोकप्रियता हासिल की जब उन्होंने रेडियो सीलोन के प्रसारण पर अपने बिनाका गीतमाला कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। वह आज भी सर्वाधिक अनुकरणीय उद्घोषकों में से एक थे। पारंपरिक रंभाइयों और बहनांबर के विपरीत भीड़ को रबहनों और भाइयों के साथ संबोधित करने की उनकी शैली को अभी भी एक मधुर स्पर्श के साथ एक घोषणा के रूप में माना जाता है। अमीन सयानी वस्तुतः हिंदी भाषा के लिए एक ऐसी

अमूल्य निधि हैं जिनको सदैव याद किया जायेगा। हिंदी में आवाज के इस जादूगर ने 1951 से अब तक 54,000 से अधिक रेडियो कार्यक्रमों और 19,000 स्पॉट/जिगल्स का निर्माण, संचालन (या भाषण) किया है। अमीन सयानी को उनके भाई हमिद सयानी ने ऑल इंडिया रेडियो, बॉम्बे से परिचित कराया था। अमीन ने वहां दस वर्षों तक अंग्रेजी कार्यक्रमों में भाग लिया। बाद में, उन्होंने भारत में ऑल इंडिया रेडियो को लोकप्रिय बनाने में मदद की। सयानी वर्षों तक भूत बंगला, टीन डेवियन, बॉक्सर और कल्ल जैसे विभिन्न फिल्मों में भी सहायता रहे। इन सभी फिल्मों में वह किसी न किसी कार्यक्रम में उद्घोषक की भूमिका में नजर आये।

**(21 दिसंबर 1932 - 20 फरवरी 2024)**

गुजराती लिपियों में प्रकाशित हुआ था - लेकिन सभी गांधी द्वारा प्रचारित सरल हिंदुस्तानी भाषा में। यह सरल संरचना का आधार था जिसने उन्हें व्यावसायिक प्रसारण के अपने लंबे करियर में मदद की और 2007 में नई दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदी भवन द्वारा उन्हें हिंदी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके बारे में एक कम ज्ञात तथ्य यह है कि उन्होंने 1960-62 के दौरान टाटा ऑयल मिल्स लिमिटेड के विपणन विभाग में ब्रांड एक्जीक्यूटिव के रूप में काम किया था - मुख्य रूप से उनके टॉयलेट साबुन: हमाग और जय की देखभाल करते थे। ऑल इंडिया रेडियो (1951 से), आकाशवाणी की वाणिज्यिक सेवा (1970 से)

और विभिन्न विदेशी स्टेशनों (1976 से) के बीच, सयानी ने 54,000 से अधिक रेडियो कार्यक्रमों और 19,000 स्पॉट/जिगल्स का निर्माण, संचालन (या उनके लिए भाषण) किया है। (यह तथ्य लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है।) **कुछ बेहतर ज्ञात रेडियो शो :** सिबाका (पूर्व में बिनाका ) गीतमाला : 1952 से प्रसारण - मुख्य रूप से रेडियो सीलोन पर - और बाद में विविध भारतीय (एआईआर) पर - कुल 42 वर्षों से अधिक समय तक। 4 साल के अंतराल के बाद इसे फिर से पुनर्जीवित किया गया, और 2 साल के लिए कॉलेक्ट सिबाका गीतमाला के रूप में विविध भारतीय के राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया गया।

संस्थापक **स्व. डॉ अभय कुमार सिंह**

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए

**मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह**

द्वारा चिरौंदा, बोडैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक **अविनाश ठाकुर\***

**फोन : 95705-48433**

पिन: -834006

**e-mail: Khabarmantra.city@gmail.com**

**R.N.J No. JHAHM/2013/51797**

\*पीआरवी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबन्धित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।











